केह दो न श्याम खा के मेरी कसम

केह दो न श्याम खा के मेरी कसम,
खाटू में हो मेरा अगला जन्म,
केह दो न श्याम खा के मेरी कसम,

स्वर्ग और वैकुंठ दोनों याहा है
रहता कन्हिया मेरा जहा है,
हर पल है रेहना तेरी शरण,
केह दो न श्याम खा के मेरी कसम,

खाटू की गलियां रस्ते चोराहे,
जाती जाहा पर मेरी निगाहें,
देखे तुम्हे ही मेरे नैनं,
केह दो न श्याम खा के मेरी कसम

अरमान था जो तेरी सेवा का मन में ,
पूरा हुआ वो आज इस जगन में,
पल पल सताए मुझको ये गम,
केह दो न श्याम खा के मेरी कसम,

इतनी तमना कर दे तू पूरी,
सेवा करू गा एसी मैं तेरी
रखोगे खाटू में जन्मो जन्म,
केह दो न श्याम खा के मेरी कसम,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16267/title/keh-do-na-shyam-kha-ke-meri-kasam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |